12.6 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTERS OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

REMOVAL OF INDIAN PRESS CORRESPONDENTS FROM CAIRO AIRPORT AT THE TIME OF ARRIVAL OF THE CHINESE PRIME MINISTER

श्री हुकम चन्द कछवाय (देवास) : मैं अविलम्बनीय लोक महत्व के निम्नलिखित विषय की ओर वैदेशिक-कार्य मंत्री का ध्यान दिलाता हूं और प्रार्थना करता हूं कि वह इस बारे में एक वक्तव्य दें :

"चीन के प्रधान मंत्री के काहिरा हवाई अड्डे पर पहुंचने के समय वहां से भारतीय सम्वाददाताओं के हटाये जाने का समाचार।"

वैदेशिक कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री दिनेश सिंह) : दो भारतीय संवाददाताओं को, जो चीन के प्रधान मंत्री के आने के समय काहिरा हवाई अड्डे की पट्टी की ओर जा रहे थे, संयुक्त अरब गणराज्य के सुरक्षा अधिकारियों ने रोक दिया और हवाई अड्डे की इमारत से बाहर पहुंचा दिया। हवाई अड्डे की पट्टी पर चीनी संवाददाताओं को और मिस्र के तथा विदेशी समाचार-पत्रों के मिस्री संवाददाताओं को ही जाने दिया गया, किसी अन्य राष्ट्रिकता का कोई संवाददाता वहां उपस्थित नहीं था ।

काहिरा में हमारा राजदूतावास इस मामले से चिन्न है ।

श्री हुकम चन्द कछवाय : मैं यह जानना चाहता हूं कि यह जो निर्णय मिश्री सरकार ने लिया था, क्या इस की सूचना हमारे दूतावास के द्वारा हमें समय पर मिली थी ?

श्री दिनेश सिंह : दूतावास का तो सम्बन्ध इस में नहीं है । मेरे ख़याल से मिश्री सरकार ने जो इस में निर्णय किया था, ममकिन है कि उस की सूचना अख़बार वालों को रही हो, क्योंकि वहां अन्य राष्ट्रिकता के और अख़बार वाले नहीं थे ।

श्री यशपाल सिंह (कैराना) : क्या क़ाहिरा सरकार ने हमारे प्रेस रिप्रेजेन्टेटिव्ज़ को पहले सूचित कर दिया था कि वे वहां न जायें ?

श्री दिनेश सिंह : मेरे पास ऐसी कोई पक्की ख़बर नहीं है, लेकिन चूंकि और राष्ट्रिकता के और कोई संवाददाता वहां पर नहीं थे, इसलिए मुमकिन है कि उन्होंने सब को सूचना दे दी हो ।

डा० राम मनोहर लोहिया (फ़र्रुख़ाबाद): हिन्दुस्तानी पत्रकारों और सभी हिन्दुस्तानियों के प्रति मिश्री व्यवहार को और ज्यादा अच्छा करने के लिए क्या सरकार ने चीन के राक्षसी स्वरूप को मिश्र के सामने लगातार और चालू मुद्दे की तरह रखा है कि हिन्दुस्तान ही दुनिया में अकेला देश है, जिसकी हजारों वर्गमील जमीन चीन ने हमला कर के छीनी है और इसलिए इसको यह बताने का हक़ है कि आज जो उस पर बीती है, वह कल मिश्र और दूसरे देशों पर भी बीत सकती है ?

श्री दिनेश सिंह : चीन का यहां पर क्या तरीक़ा रहा है और चीन एशिया के दक्षिण-पूर्वी भाग में क्या कोशिश कर रहा है, हम ने इस बात की कोशिश की है कि इस के सम्बन्ध में और राष्ट्र भी जानें और उन में संयुक्त अरब गणराज्य भी है ।

श्री किशन पटनायक (सम्बलपुर) : क्या ऐसी कोई प्रणाली या कन्वेन्शन है या क्या पहले कभी ऐसी घटना हुई है कि जब शान्ति-काल में किसी देश में दूसरे देश का महामान्य अतिथि जाता है, तो उस अवसर पर विदेशी पत्रकारों को न आने दिया जाये ?

श्री दिनेश सिंह : यह तो मौके मौके की बात है कि किस समय पत्रकार से मिलें, किस समय न मिलें । अलग-अलग कायदे

[श्री दिनेश सिंह]

अलग-अलग वक्त के लिए लोग मुकर्रर करते हैं । हवाई अड्डे पर कभी कभी पत्रकार जाते हैं, कभी-कभी नहीं जाने दिया जाता है । दोनों तरीके होते हैं ।

12.10 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

ANNUAL REPORT OF MINERALS AND METALS TRADING CORPORATION OF INDIA LTD. AND REVIEW BY GOVERNMENT ON WORKING THEREOF

The Minister of Commerce (Shri Manubhai Shah): I beg to lay on the Table a copy each of the following papers:—

(i) Annual Report of the Minerals and Metals Trading Corporation of India Limited, New Delhi, for the year 1963-64, along with the Audited Accounts and the comments of the Comptroller and Auditor-General thereon, under sub-section (1) of section 619A of the Companies Act, 1956.

(ii) Review by the Government on the working of the above Corporation. [*Placed in Library, see* No. LT-4165/65].

श्री किशन पटनायक (सम्बलपुर) : आप से मैंने, अध्यक्ष महोदय, एक स्पष्टीकरण मांगा था

अध्यक्ष महोदय : नहीं साहब, मैंने उसको अपनी कंसैंट नहीं दी है ।

श्री मौर्य (अलीगढ़) : अध्यक्ष महोदय, मैंने आप को एक पत्र लिखा है कि स्टेट्समैन ने ग़लत बयानी की है उसके बारे में जो कुछ कल इस सदन में . . .

अध्यक्ष महोदय : मौर्य साहब, मेरी भी लिमिटेशन को देखा करो । मैं क्वेश्चन चला रहा था, उस वक्त आपका पत्र मुझे मिला था । किसी फैसले पर पहुंचने के लिए वक्त तो मुझे आप दें . . . .

श्री मौर्य : बड़ा भयंकर प्रश्न है ।

अध्यक्ष महोदय : कितना ही भयंकर प्रश्न हो, जब कार्रवाई चल रही है उस वक्त आप लिखते हैं । सवालों की सप्लीमैंटरीज को मैं सुनूं या उस वक्त उसको देखूं । ज्यों ही वक्त मिलेगा मैं देख लूंगा ।

NOTES EXCHANGED BETWEEN INDIA AND CHINA

The Minister of State in the Ministry of External Affairs (Shrimati Lakshmi Menon): I beg to lay on the Table a copy each of the following papers:—

(i) Note given by the Ministry of External Affairs, New Delhi, to the Embassy of China in India, on the 2nd April, 1965.

(ii) Note given by the Ministry of Foreign Affairs, Peking, to the Embassy of India in China, on the 18th January, 1965. [*Placed in Library, see* No. LT-4166/65.]

STATEMENT SHOWING CASES WHERE LOWEST TENDERS HAVE NOT BEEN ACCEPTED BY INDIA SUPPLY MISSIONS, LONDON AND WASHINGTON

The Minister of Supply and Technical Development in the Ministry of Industry and Supply (Shri Raghuramaiah): I beg to lay on the Table a statement of cases for the half-year ending the 31st December, 1964, in which lowest tenders have not been accepted by the India Supply Mission, London, and India Supply Mission, Washington. [*Placed in Library, see* No. LT-4167/65.]

Annual Report of National Instruments Limited, and Review by Government on working thereof

The Minister of Heavy Engineering and Industry in the Ministry of Indus-